कृष्ण भक्त कवियों का कीर्तन परम्परा के विकास में योगदान

राधा कमल

कृष्ण भक्ति एवं संगीतात्मक कीर्तन का संबंध बहुत गहन है। जिसको विभिन्न भक्त कवियों एंव संगीतज्ञयों ने और भी दृढ़ किया है। गौड़ीय सम्प्रदाय के प्रर्वतक श्री चैतन्य महाप्रभु को भी श्री कृष्ण नाम संकीर्तन तथा लीलागान अत्यंत प्रिय था। इसके इलावा वल्लभ, राधा रमणीय, हरिदासी सम्प्रदायों तथा अन्य भक्त कवियों जिन्होने कीर्तन परम्परा को प्रधानता देते हुए, इसके विकास के लिए योगदान दिया।